अंगूठी कहां छोड़ी भगवान

बता दे कर मोपे एहसान,
अंगूठी कहां छोड़े भगवान,
कहां छोड़े भगवान अंगूठी कहां छोड़े भगवान,
बता दे कर मोपे पर एहसान....

जिनकी चरणों की दासी, हरदम दर्शन की प्यासी,
उनमें बसते मेरे प्राण, अंगूठी कहां छोड़े भगवान,
बता दे कर मोपे पर एहसान....

बता दे रघुवर की कुशला फिकर में डूब रही दिन रात,
भटकते होंगे बन बन राम, अंगूठी कहां छोड़े भगवान,
बता दे कर मोपे पर एहसान....

कैसे हुई राम से न्यारी रोए रोए कह रही जनक दुलारी,
तेरी लीला अजब महान, अंगूठी कहां छोड़े श्री राम,
बता दे कर मोपे पर एहसान....

ज्ञान से लगी ज्ञान की माटी सुनके हुई आत्मा ठंडी,
सीता समझ गई सब बात, अंगूठी कहां छोड़े भगवान,
बता दे कर मोपे पर एहसान....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25290/title/anghuthi-kahan-chorhi-bhagwan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |